भक्ति आन्दोलन

Date .....
Page .....

⇒ हिन्दू जीवन का मूल उद्देश्य – मोक्ष की प्राप्ति करना

जिसके तीन (3) मार्ग

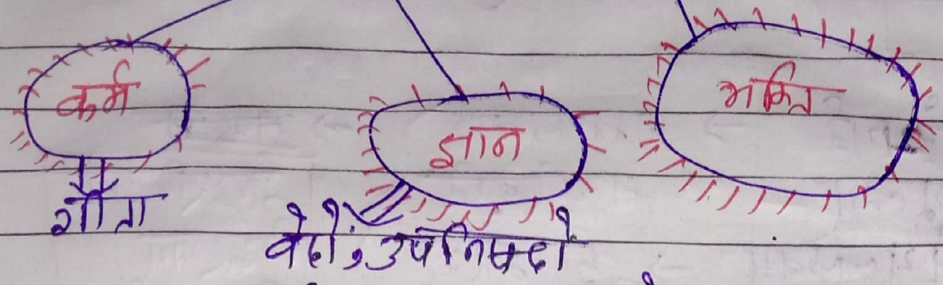

* 14वीं शताब्दी में भक्ति द्वारा मोक्ष प्राप्त करने के लिए जो आंदोलन चलाया गया, भक्ति आन्दोलन के नाम से जाना जाता है।

⊙ भक्ति का सर्वप्रथम उल्लेख ⇒ श्वेताश्वतर उपनिषद

Q. द० भारत में भक्ति आन्दोलन की शुरुआत
⇓
रामानुज

उत्तर भारत में – रामानंद को फैलाने का श्रेय...

यद्यपि भक्ति आन्दोलन का सर्वप्रथम प्रचार-प्रसार द० भारत – 7वीं शताब्दी अलवारों व नयनारों के द्वारा शुरु की गई थी।

अलवारों / अलवार # = अर्थ ज्ञानि व्यक्ति

⊙ वे लोग जो मन पर आध्यात्मिक शासन करते थे, अलवार कहलाते थे। (इंद्रियों पर)

⊙ एकेश्वरवादी थे – ईश्वर एक है।

अलवार संतों की कुल संख्या 12 है।

Scanned with CamScanner

⊙ अलवार संत - विष्णु की भक्ति → मोक्ष
⇓
only विष्णु की भक्ति

12 संत

→ पोय्गई
→ भूतत्तार
→ पेयल्लवार
→ तिरुमलिशई

→ नम्मलवार
मधुरकवि
→ कुलशेखर
→ पेरियावार
→ अण्डाल

→ अण्डाल
तोण्डरडिप्पोडि
तिरुप्पान
तिरुमंगई

पल्लव देश
⇓
राजधानी कांचीपुरम
केन्द्र

चेर देश
पाण्ड्य
(राजधानी मदुरै)

चोल देश

(⇒ अण्डाल मात्र एक महिला संत थी। (॥ पुरुष संत)

⊙ नम्मलवार ⊙

⇒ वैष्णव अलवारों में नम्मलवार महानतम एवं उच्च कोटि के संत थे।

⊙ रचना :-
→ तिरुविरुत्तम
→ तिरुवशीरियम
→ पेरियतिरुवन्दादि
→ तिरुवैमोलि

चतुर्वेद कहा जाता है

⊙ अण्डाल ⊙

एक मात्र महिला संत थी, विष्णु के प्रति अत्यधिक भक्ति के कारण स्वप्न में उसके साथ विवाह होते देखा गया।

⊙ रचना
→ मडियार
→ तिरुमोलि
→ तिरुपवई

Scanned with CamScanner

कुलशेखर

Date .....
Page .....

यह त्रावनकोर (मालाबार) के राजा थे। किन्तु बाद में राज-पाट त्याग कर भक्ति में लीन हो गये।

⇒ रचना – पेरुमाल तिरुमोलि

नयनार

शिव भक्त थे – संख्या 63 थी।

- तिरुज्ञानसम्बन्दर
- सुंदरमूर्ति
- मणिक्कवाचकर
- तिरुनावुक्करसु

भक्तिगीतों का संकलन देवारम (ग्रंथ)